t[THE MINISTER OF TRANSPORT AND COMMUNICATIONS (SHRI S. K. PATIL): (a) The cable and the equipment required for the section Delhi— Kanpur had been obtained and work of installation commenced in the Section Agra-Delhi.

(b) the work of linking any two cities has not yet been completed.

(c) The work was started on 19th May, 1958.]

SHRI V. PRASAD RAO: May I know whether the Government has examined the

श्री राम सहाय : क्या माननीय मंत्री जी बतलाने की कृपा करेंगे कि इस योजना को और किन-किन शहरों के अन्तर्गत प्रारम्भ करने का ख्याल है ?

श्री एस० के० पाटिल : बम्बई, दिल्ली और कलकत्ते के बीच में जो शहर आयंगे जैसे लखनऊ और कानपुर और ऐसा करने में शायद पांच, दस या पचास मील इधर उधर जाना पड़े ।

श्री राम सहाय : क्या माननीय मिनिस्टर महोदय यह बतलाने की कृपा करेंगें कि साधारण योजना में और इस नई योजना में क्या अन्तर है ?

श्री एस० के० पाटिल : अन्तर तो बहुत है । यह तो टेलीफोन का लेटेस्ट फार्म है और इसमें सारा टेलीफून सिस्टम सुधर जायगा ।

scheme to establish a short-wave communication system instead of having this costly cable system as such?

SHRI S. K. PATIL: Sir, it is necessary that it should be a system that connects most of our cities. It cannot be a short space between two cities alone. It has got wider repercussions and when completed, it will De tremendously better than what it is today.

I] English translation.

SHKI V. PRASAD RAO: May I know, Sir, if the hon. Minister is aware that by the multi-channel shortwave communication system, different cities could also be connected just as through this cable system?

SHRI S. K. PATIL: The hon. Member seems to be a better technician than myself. I am just stating what the question has been asked for.

SHRI V. PRASAD RAO: Is the non. Mini:ter aware that in foreign countries such a system has been in vogue?

SHRI S. K. PATIL: Not to my knowledge, but the question does not refer to it.

PANDIT S. S. N. TANKHA: Is it. to be underground cable system?

SHRI S. K. PATIL: There might be underground cable.

श्री राम सहाय : क्या माननीय मंत्री महोदय कुछ थोड़ा भी आइडिया इस बात का दे सकेंगे कि इसमें माइलेज के लिहाज से या किसी और असूल के लिहाज से कितना खर्च आता है ?

श्री एस० के० पाटिल : माइलेज के लिहाज से मेरे पास स्टैटिस्टिक्स नहीं है लेकिन पूरा खर्चा क़रीब दस करोड़ रूपये होगा ।

कुष्ट नियंत्रण योजना

***१२९. श्री राम सहाय :** क्या **स्वास्थ्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कुष्ट नियंत्रण योजना के तहत १९५८–५९ में जो ३० अतिरिक्त सहायक केन्द्र प्रस्थापित किये जाने वाले थे, उनमें से अब तक कितने केन्द्र प्रस्थापित किये जा चुके हैं; और

(ख) प्रतिवर्ष ६० मेडिकल अफसरों को कुष्ट रोग के नियंत्रण का प्रशिक्षण देने की जो योजना थी उसके अन्तर्गत अब तक कितने मेडिकल अफसरों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है ?

t [SCHEME FOR THE CONTROL OF LEPROSY

*129. SHRI RAM SAHAI: Will the Minister of HEALTH be pleaded *o state:

(a) how many of the additional 30 subsidiary centres proposed to be established during the year 1958-59 under the scheme for the control of leprosy have so far been established; and

(b) what is the number of medical officers who have so far been trained under the scheme for training 60 medical officers every year in the control of leprosy?]

स्वास्थ्य मंत्री (श्री डी० पी० करमरकर): (क) १९५८-५९ में जो ३० और सहायक केन्द्र खोलने का प्रस्ताव था, उनमें से ३ सहायक केन्द्र अब तक खोले जा चुके हैं।

(ख) कुष्ट रोग की रोकथाम में मेडिकल अफसरों को ट्रेनिंग देने की योजना पर भारत सरकार अभी विचार कर रही है ।

HTHE MINISTER OF HEALTH (SHRI D. P. KARMARKAR) : (a) Out of the 30 additional subsidiary centres proposed to be established during the year 1958-59, 3 subsidiary centres have so far been established.

(b) The scheme for the training of medical officers in the control of leprosy is still under the consideration of the Government of India?]

श्री राम सहाय : क्या माननीय मिनिस्टर महोदय यह बतलाने की कृपा करेंगे कि यह इतने कम केन्द्र क्यों खोले गये ? इसका क्या कारण है ?

श्री डी० पी० करमरकर : स्टेट गवर्नमेंट्स मे हमने कहा था, लेकिन कहीं कहीं केन्द्र खोलने के रास्ते में दिक्कतें हैं । खास तौर से आंध्र प्रदेश में हम आशा रखते हैं कि इस वर्ष के आखिर तक सभी केन्द्र खुल जायेंगे ।

مولانا ایم - فاروقی : کیا آنریبل منسٹر یہ بتانے کی تکلیف کریںگے کہ ہندوستانی دواوں کو بھی اس سلسلہ میں استعمال کرنے پر کچھ غور کیا جا سکتا ہے ؟

†[**मौलाना एम० फारूकी :** क्या आनरेबल मिनिस्टर यह बताने की तकलीफ करेंगे कि हिन्दुस्तानी दवाओं को भी इस सिलसिले में इस्तेमाल करने पर कुछ गौर किया जा सकता है ।]

श्री डी० पी० करमरकर: लेपरोसी के लिये पहले जलमंगरा आयल, जो कि तीन हजार वर्षों से हिन्दुस्तानी दवा थी, इस्तेमाल में आता था । लेकिन आज कल एक्सपर्टस की राय है कि सल्फोन ड्रग्स से पेशेंट्स को ज्यादा रिलीफ मिलता है ।

مولانا ایم - فاروقی : کیا گورنمنٹ کی طرف سے کبھی یہ کوشش کی گئی ہے کہ میں تجربہ کیا جائے یا صرف ایکسپرٹس جو ہندوستانی دواوں کو اچھی طرح نہیں جانتے ہیں ان کی رائے پر گورنمنٹ عمل کرتی ہے ؟

†[**मौलाना एम० फारूकी :** क्या गवर्नमेंट की तरफ से कभी यह कोशिश की गई है कि इस सिलसिले में तजुर्बा किया जाय

†[ ] English translation.

†[ ]Hindi translation.

या सिर्फ एक्सपर्टस, जो हिन्दुस्तानी दवाओं को अच्छी तरह नहीं जानते हैं, उनकी राय पर गवर्नमेंट अमल करती है ?]

श्री डी० पी० करमरकर : जलमोगरा आयल हिन्दुस्तानी दवा थी और वह तमाम दुनिया में गई, लेकिन अब दुनिया के एक्सपर्ट्स की राय है कि इस दवा से ज्यादा रिलीफ नहीं होता ।

مولانا ایم - فاروقی : هندوستانی طریق علاج میں ایک ایک مرض پر سینکڑوں دوائیاں هیں اور ان کے بارے میں ریسرچ هو سکتی هے -

†[**मौलाना एम० फारूकी** : हिन्दुस्तानी तरीके इलाज में एक एक मर्ज़ पर सैकड़ों दवाइयां हैं और उनके बारे में रिसर्च हो सकती है ।]

श्री डी० पी० करमरकर : लेपरोसी के बारे में जैसा कि मैंने कहा जलमोगरा तेल का उपयोग हिन्दुस्तान में होता था और फिर उसको सब दुनिया ने ले लिया । लेकिन आज कल सल्फोन ड्रग्स का ही ज्यादा उपयोग लेपरोसी के बारे में होता है ।

DR. R P. DUBE: Is it a fact that for this work they have not got quali-fie/d people?

SHRI D. P. KARMARKAR: Sir. partly that might be the reason, but largely, I understand, it is due to the unwillingness of the doctors to take to leprosy work. That is unfortunately the case.

SHRIMATI SAVITRY DEVI NIGAM: May I know if the Government have got any phased programme for the training; and what is the delay in the training of these sixty ofllcers?

t-[ ]Hindi translation

SHRI D. P. KARMARKAR: It is not a question of the:e sixty people alone. We wanted to open a training class in one of the best institutions, the School of Tropical Medicine. They had no accommodation. We waited for a long time and we could not wait any longer. We are thinking of having a centre either at Nagpur in close collaboration with the college there or in Thirumani, Chingleput, where we have got a big leprosy hospital.

SHRIMATI SAVITRY DEVI NIGAM: May I know if all the leprosy work is being done by the missionaries only?

SHRI D. P. KARMARKAR: That is not absolutely correct.

श्री देवकीनन्दन नारायण : क्या मंत्री महोदय यह बतलाने की कृपा करेंगे कि हर एक केन्द्र खोलने में राज्य सरकारों को कहां तक मदद दी जायगी ताकि उन्हें सहूलियत हो और वे ये केन्द्र जल्दी खोलें ?

श्री डी० पी० करमरकर : वह मदद उनको मिल जाती है । जितनी मदद उनको मिलनी चाहिये उतनी मदद वक्त पर मिलने के लिये प्लानिंग कमीशन ने ऐसा इंतजाम किया है कि एक वर्ष के लिये जो रकम मुकर्रर होती है उसका १२ में से एक हिस्सा हर महीने उनके पास पहुंच जाता है, चाहे वे काम करें या न करें ।

श्री पां० ना० राजभोज : क्या मंत्री महोदय यह बता सकते हैं कि क्या ये तीनों केन्द्र चल रहे हैं, क्या लेपरोसी का परिमाण कम हो रहा है, कितने और केन्द्र कायम कर रहे हैं और कितने मरीज़ों को ट्रीटमेंट दिया जाता है ?

श्री डी० पी० करमरकर : एक तो ऐसा है कि इन केन्द्रों का काम ठीक चल रहा है । जब कोई मरीज़ प्राइमरी स्टेज में आ जाता है तो उसको काफ़ी फ़ायदा पहुंचता

है । दूसरे कितने मरीज़ आये, कितने चले गये, इसका हिसाब मेरे पास आज नहीं है । जिन जिन इलाकों में लेपरोसी का फ़ैलाव ज्यादा है उन सब को कवर करने के लिये यह सबसीडियरी सेंट्रल स्कीम है । इसमें ऐसा प्रयत्न किया गया है कि हर सैंटर के पसुलेशन की परीक्षा ली जाय और जो सफर करता हो उसका ट्रीटमेंट किया जाय ।

श्री राम सहाय : क्या माननीय मिनिस्टर महोदय यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या कोई खास इलाके ऐसे हैं जिनमें लेपरोसी का ज्यादा जोर है ?

श्री डी० पी० करमरकर : जी हां मद्रास, आंध्र और उड़ीसा के इलाके में लेपरोसी का खास तौर से ज्यादा फैलाव है । पंजाब के इलाके में लेपरोसी का फैलाव कम है ।

•130. *[The questioner {Shri Kishori Ram) was absent. For answer,* vide *cols.* 579-81 infra.]

CONSTRUCTION OF A BARRAGE AND BRIDGE ACROSS THE GANGES AT FARAKKA

•131. DR. A. N. BOSE: Will the Minister of IRRIGATION AND POWER be pleased to state:

(a) whether the scheme for constructing a barrage and bridge across the Ganges at Farakka in the district of Murshidabad in West Bengal has been sanctioned; and

(b) if not, why not?

THE DEPUTY MINISTER OF IRRIGATION AND POWER (SHRI J. S. L. HATHI): (a) No, Sir.

(b) The Project has not yet been fully investigated.

DR. A. N. BOSE: The first part is, "No." The second part?

MR. CHAIRMAN: The second is that the Project has not yet been fully investigated.

DR. A. N. BOSE: Is it not a fact that the Project has been technically examined for the last 13 years or more successively by the Ganga-Brahmaputra River Board, by the Port Commissioners' experts by the Committee on Floods of 1956 and then by the German expert, Mr. Hansen and all these committees and experts have-unanimously recommended the early implementation of this Project?

HAFIZ MOHAMMAD IBRAHIM: So far as all the bodies which have been mentioned in the question are concerned, they have come to a conclusion in regard to this scheme about its general phase. The details of it have further to be examined, which has not yet been done.

DR. A. N. BOSE: I fail to understand how the details still remain to be examined after so many commissions and so many experts have successively gone thoroughly into this question for the last 12 or 13 years.

HAFIZ MOHAMMAD IBRAHIM: To oe on surer ground, this question was referred to several bodies in the face of general questions about it. They have examined the same thing and they have expressed opinions about some points.

SHRI V. K. DHAGE: Will the Government feel any urgency in the matter?

(No reply)

DR. A. N. BOSE: Is it a fact that the West Bengal Legislative Assembly and the Council during last July had unanimously passed resolutions for the early undertaking of this Project?

SHRI J. S. L. HATHI: Yes, Sir

DR. A. N. BOSE: Is it a fact that the West Bengal Irrigation Minister had asked for a copy of the Hansen Report and that he did not get any?

HAFIZ MOHAMMAD IBRAHIM: Yes, that is correct. But that Report...